बांस काटने गए शख्स को बाघ ने बनाया निवाला

कान्हा नेशनल पार्क में मिले उसके शव के अवशेष, कपड़ों से हुई मृतक की पहचान

मंडला,देशबन्धु। कान्हा नेशनल पार्क में बाघ ने एक शख्स का शिकार कर लिया। जंगल के कोर एरिया में मृतक के शरीर के अवशेष मिले हैं। कपड़ों से उसकी पहचान हुई है वह जंगल में बांस काटने गया था। वन विभाग की टीम जांच में जुटी है। घटना के बाद से जंगल के आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों में डर का माहौल है।

कान्हा नेशनल पार्क से सटे मनोहरपुर गांव निवासी सुखलाल बैगा(60) जंगल के केरा घाट पर बांस काटने गया था। काफी समय बीत जाने पर भी जब वह घर नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश में जंगल की तरफ गए। केरा घाट पर उन्हें सुखलाल के कपड़े और

बांस का बंडल मिला। थोड़ा ही आगे जाने पर उन्हें हड्डियां और उसका सिर मिला। शरीर का बाकी हिस्सा कोई जानवर पूरी तरह खा गया था। परिजन ने कपड़ों से मृतक की पहचान की जहां पर हड्डियां मिली हैं, वह जंगल का कोर एरिया है।

मिले बाघ के पदचिह्न

परिजन ने मामले की सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम को घटना स्थल पर बाघ के पदचिह्न मिले। इससे बाघ द्वारा शिकार किए जाने की आशंका और मजबूत हो गई।

बिछिया थाना प्रभारी धर्मेन्द्र धुर्वे ने बताया ''घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची टीम को सिर्फ मृतक का सिर मिला है। कपड़ों से परिजनों ने मृतक की पहचान की है। शव का पोस्टमार्टम कराकर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में आनंद मेला का आयोजन

मंडला, देशबन्धु। ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल मण्डला में बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन विगत वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। इसी परंपरा का निर्वाहन भी आज किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नन्हें मुन्हें बच्चों ने फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता निभायी। रंग बिरंगे परिधान एवं विभिन्न रूपों में साज सज्जा के साथ शामिल होकर कार्यक्रम को रोचक बनाया तथा अतिथियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। आनंद मेला में विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को चार हाउस कमश: रेड, ब्लू, ग्रीन, एवं यलों में विभाजित किया गया। सभी छात्र-छात्राओं ने अपने हाउस को अपने स्तर से अनेक प्रकार से सजाया तथा स्वादिष्ट व्यजंन एवं मिष्ठान भी रखा जिसका लुत्फ छात्र-छात्राओं ने अतिथिगण एवं अभिभावकों ने आनंद उठाया। सभी ने इस आनंद मेले की सराहना की। फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता के समस्त प्रतिभागियों को पारितोषक वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर राजेन्द्र सिंह जी, अपर कलेक्टर अरविन्द सिंह जी,संयुक्त कलेक्टर, क्षमा सराफ के साथ साथ अतिथिगण मानसेवी सचिव डॉ. संजय तिवारी, उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल एवं अजय खोत, कार्यकारिणी सदस्य संजय मिश्रा एवं लक्ष्मी नारायण पटैल, प्राचार्य मो0 रफीक खान एवं समस्त स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति से संपन्न हुआ। समस्त कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालयीन स्टाफ के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं अध्ययन छात्र-छात्राओं का योगदान रहा।

भागवत कथा में बोले महाराज, करना है स्वस्थ भारत का निर्माण

मंडला, देशबन्धु। भागवताचार्य श्री रंजीत दुबे महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा के दौरान सभी भक्तों से शपथ दिलाई और संकल्प लिया उन्होंने सभी को संकल्पित करते हुए कहा कि जिस तरह हम अपनी सनातनी परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं उसी तरह हमें एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत का भी निर्माण करना है, हम कितने भगवान हैं जो भगवानों और महान संतों की जन्मभूमि में जन्म लेकर जीवन जीने का सौभाग्य मिला है, एक जानवर भी अगर बैठता है तो अपनी जगह साफ करके बैठता है उसी तरह हमें स्वयं भी स्वच्छता को ध्यान देने की जरूरत है और अगर कोई गंदगी फैलाता है तो उसे रोकना भी है इसका विरोध भी करना है, क्योंकि जब हम अपने आसपास स्वच्छता बनायें रखेंगे तो स्वास्थ्य भी अच्छा होगा।

इसी संदर्भ में आगे उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्यक्रम तो हर कोई

करवाता है अपने पुण्य के लिए किंतु पुण्य के साथ साथ कर्म भी काम आते हैं अच्छे भविष्य के लिए इसलिए अगर एक और समाज के अच्छे कार्यक्रम की चकाचैंध है तो दूसरी तरफ हमें समाज की बुराइयों को भी खत्म करना है उसका विरोध करना है हम सनातनी सभ्यता से हैं तो हमें सनातन का पालन कर अपनी आगे आनी वाली नई पीढ़ी को अच्छा बनाने के लिए स्वच्छता के लिए प्रेरित करना हैं, सम्मान, संस्कार, सुसंगति, और सनातनी परंपराओं से भी जोड़ना आवश्यक है। नर्मदा वासियों को आचार्य श्री संकल्पित करते हुए कहते हैं कि अगर तुम नर्मदा की तपो भूमि को स्वच्छ साफ नहीं रख सकते हो तो उनका दर्शन करना भी तुम्हें शोभा नहीं देता है, अगर तुम आज अपना नगर अपनी मातृभूमि को स्वच्छ नहीं रख सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए। समाज की हर बुराई का विरोध करो चाहे माता पिता अपमान हो कहीं, चाहे गलत कुसंगति में कोई हो, नशे में कोई हो लिप्त, अपनी सनातनी परंपराओं से विमुख को हर किसी को जैसे अपना बेटा या बेटी हो वैसे समझ कर उन्हें सही दिशा दिखाओ।

सार-समाचार

महर्षि विद्या मंदिर में विज्ञान प्रदर्शनी व व्यंजन मेला

मंडला,देशबन्धु। स्थानीय महर्षि विद्या मंदिर में बाल दिवस के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी और फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी कक्षा 6 वीं से 12वीं के विद्यार्थियों ने लगाई । विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट मॉडलो का प्रदर्शन किया गया। सोलर बिजली, चंद्रयान, सड़क सुरक्षा से सबंधित मॉडल प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर अतिथिगण सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य श्री कमलेश अग्रहरी और हीरो होंडा एजेंसी के संचालक श्री संजय तिवारी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु पूजन के साथ हुआ । इसके बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू की फोटो पर माल्यार्पण किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी को सफल बनाने में विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका ममता शर्मा, वरिष्ठ शिक्षक सुरेन्द्र यादव, यशवंत बशोने, आकांक्षा ठाकुर, रेनू कछवाहा, ज्योति शुक्ला, अर्चना पाठक का योगदान रहा । फूड फेस्टिवल के आयोजन नेहा बाजपेई, नित्या दुबे,

स्तुति दुबे, अंजू मिश्रा, वंदना पटेल, वीरेंद्र कोष्ठी सर आदि का योगदान रहा। ऑफिस स्टॉफ से नीरज शर्मा, संजय बैरागी, दलाई सर आदि ने अपना योगदान दिया । सम्पूर्ण कार्यक्रम विद्यालय की सांस्कृतिक प्रभारी डॉ स्वल्पा बड़गैया के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य डॉ उपेंद्र कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में हुआ । उन्होंने विद्यार्थियों के मॉडल की सराहना करते हुआ कहा की विद्यालय प्रबंधन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा । विशिष्ट अतिथियों ने भी विज्ञान प्रदर्शनी और व्यंजन मेले की सराहना की।

मां रेवती कालेज महाविद्यालय में मनाया गया बाल दिवस

मंडला, देशबन्धु। बाल दिवस के अवसर पर मां रेवती कालेज महाविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। षिक्षक व छात्रों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया तत्पष्चात रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को देखकर उन्हें प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ.अनिल कुमार गुप्ता ने संभाला प्राचार्य का प्रभार

मंडला, देशबन्धु। प्रधानममंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मण्डला में साक्षात्कार के माध्यम से प्राचार्य का चयन किया गया। महाविद्यालय में प्राध्यापक वाणिज्य के रूप में कार्य कर रहे डॉ.अनिल कुमार गुप्ता का साक्षात्कार के माध्यम से महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में चयन किया गया। डॉ.गुप्ता ने महाविद्यालय का प्रभार संभाल लिया है। इस अवसर पर महाविद्यालयीन स्टाफ तथा शुभ चिंतकों ने हार्दिक बधाईयॉ प्रेषित की।

बिरसा गुंडा लिखने पर मांगी माफी, जारी किया दूसरा पत्र

डिंडोरी, देशबन्धु। डिंडोरी में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बुधवार को 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को लेकर एक पत्र जारी किया था। जिसे लेकर अब विवाद खड़ा हो गया। पत्र में भगवान बिरसा मुंडा की जगह गुंडा लिख दिया गया। दरअसल, 15 नवंबर को देशभर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती कार्यक्रम को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाना है। इसे लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला और बाल विकास अधिकारी कार्यालय से सभी परियोजना अधिकारियों को पीएम जनमन और जनजातीय उत्कर्ष अभियान कार्यक्रम को लेकर पत्र लिखा गया। जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की जगह गलती से गुंडा स्टैच्यू लिखा गया है।

सीतारपटन सुरपन नदी किनारे तीन दिवसीय मड़ई आज से

मंडला,देशबन्धु। जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर ग्राम अंजनिया के पास सीतारपटन सुरपन नदी के तट पर स्थित है, यह नदी झिगराघाट से होकर बंजर नदी तक जाती है। जनश्रुति के अनुसार सीतारपटन लव कुश की जन्म नगरी है। स्थानीय लोगों के अनुसार सीतारपटन में ही भगवान लव कुश का जन्म हुआ था। यहीं महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना भी की थी। बताया जाता है कि सीता रपटन में माता सीता जी सुरपन नदी से पानी लेकर बाल्मीकि आश्रम आ रही थीं, इसी दौरान चट्टाननुमा पत्थरों से फिसलकर गिर गई थी, उसी समय से इस स्थान को सीता रपटना कहां जाने लगा है। यहां आज भी चट्टान के बीचों बीच एक प्राकृतिक फिसल पट्टी बनी हुई है। यहां आने वाले लोगों को आज भी इस फिसल पट्टी से फिसलते देखे जा सकते है। इसी के पास ही चट्टान नुमा पत्थरों को बजाने से नगाड़ों की आवाज भी आती है। माना जाता है की लव-कुश के जन्म के समय नगाड़े बजाये गए थे जो अब पत्थर में बदल चुके हैं। यहाँ एक विशेष प्रजाति का पेड़ भी मौजूद है। जिसे अनजान पेड़ के नाम से जाना जाता है। यहाँ कई वनस्पति शास्त्री भी आये पर इस पेड़ का नाम जानने में कामयाबी नहीं मिली। माना जाता है की इसी पेड़ के नीचे महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। जानकारी अनुसार अंजनिया से महज कुछ ही

लोग उत्साहित, लेकिन जिला प्रशासन ने नहीं की कोई तैयारी, बुनियादी सुविधाओं का आभाव

दूरी पर स्थित सीतारपटन का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। पर्यटन स्थल होने से यहां देशी-विदेशी सैलानी भी घूमने के लिए पहुंचते हैं, लेकिन यहां जरूरी सुविधाओं के अभाव सैलानियों और मंदिर पहुंचे भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जनों की मान्यता के अनुसार सीतारपटन लव कुश की जन्म नगरी है। इसी स्थान पर वाल्मीकि ऋषि ने संस्कृत भाषा में रामायण की रचना की।

स्थानीय कलाकार मूर्तियों की कर रहे साज सज्जा

बताया गया कि सीतारपटन निवासी मान्या पांडे द्वारा यहां स्थापित मूर्तियों का रंग रोगन और साज सज्जा कर रहे है। मान्या आर्ट द्वारा प्रतिमाओं का रंग रोगन कर अंतिम रूप दिया जा रहा है। इनके द्वारा सीतारपटन में जगह-जगह पेंटिग की गई है, जो लोगों को खूब भा रही है।

तीन बार होता है पतझड़

सीतारपटन में नदी किनारे लगे पेड़ के नीचे वाल्मिकि ऋषि ने तपस्या की और रामायण की रचना भी की थी। यहां दो ऐसे पेड़ आमने- सामने लगे है जिसमें एक पेड के नीचे सीता जी की कुटिया बनी होना बताया जाता है जो एक छोटी गुफा जैसे है। वही दूसरे पेड़ में 3 बार पतझड़ आता है लेकिन यहां नया पत्ता कब आता है किसी को पता ही नहीं चलता। झडने वाले पत्ते कहां उड़ जाते है ये भी पता नहीं है।

पत्थरों से आती है नगाड़ों की आवाज

लोगों का मानना है कि जब भगवान श्रीराम ने प्रजा के कहने पर माता सीता को महल से निष्कासित कर दिया तो सीता जी ने वनवास के दौरान वाल्मिकि ऋषि जी के आश्रम में ही शरण ली थी। तब ही वनवास के दौरान यहां सीता जी ने दो पुत्र लव और कुश को जन्म दिया था। यहां चट्टाननुमा पत्थरों को बजाने से नगाडे जैसे मधुर आवाज सुनाई देती है। लोगों का मानना है कि ये नगाड़े ही थे जो अब पत्थर के स्वरूप में नजर आते हैं। इन नगाडो को लव कुश के जन्म की खुशी में बजाये जाने का दावा भी किया जाता है।

जरूरी सुविधाएं है नदारद

हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा को तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। यहां आयोजित होने वाले मेले में मंडला सहित जबलपुर, रायपुर, छतीसगढ़, कवर्धा आदि जैसे अन्य जगहों से व्यापारी तरह-तरह की सामग्री लेकर पहुंचते हैं। वहीं अब तक जिला प्रशासन की ओर से यहां कोई तैयारी नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं, सैलानियों के लिए किसी तरह की सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सामुदायिक स्वच्छता परिसर तक की सुविधा नहीं है। पर्यटन स्थल होने के बाद भी यहां इलाज के लिए जरूरी सुविधाएं नदारद हैं। यहां कहने के लिए उप स्वास्थ्य केंद्र है लेकिन इसकी भी हालत ठीक नहीं है।

तीन दिन भरेगा मेला

जिले के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में शामिल सीतारपटन क्षेत्र भी शामिल है। यहां साल भर जिले समेत अन्य जिले प्रदेश के लोग आते है। यहां तीन दिवसीय भरने वाला मेला भी प्रसिद्ध है। इस वर्ष मड़ई का आयोजन 15 से 17 नवम्बर तक किया जाएगा। इस मड़ई को लेकर स्थानीय लोग काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं प्रशासन द्वारा इस पर्यटन स्थल में जरूरी सुविधाएं मुहैया नहीं कराए जाने से आने वालें लोगों और स्थानीय लोगों में नाराजगी भी हैं।

औचक चैकिंग के दौरान किया गांजा जब्त

महिला आरोपी से 2.1 किलो गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

मण्डला,देशबन्धु। चैकी हिरदेनगर थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा कस्बा भ्रमण, वाहन चैकिंग व चालानी कार्यवाही हेतु टीम रवाना हुई थी।

पुलिस द्वारा मधुपुरी में चैकिंग के दौरान घुघरा से मधुपुरी की ओर हाथ में थैला लेकर आ रहीं महिला के पुलिस को देखकर उसके गतिविधियों में संदिग्धता प्रदर्शित हुई। चैकी हिरदेनगर पुलिस द्वारा उक्त संदिग्ध महिला से उससे थैले में रखे सामान को चैक कराने के लिए कहाँ गया जो थैले में मादक पदार्थ का होना पाया गया। पुलिस द्वारा मौके पर विधिनुसार कार्यवाही करते हुए महिला का नाम पता पुछकर थैले में रखें 2.1 किलोग्राम गांजा को विधिवत जब्त कर महिला

महिला आरोपी से 2.1 किलो गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध

आरोपी के विरूद्ध थाना महाराजपुर में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी। उक्त कार्यवाही चैकी प्रभारी हिरदेनगर उप निरीक्षक सुरजीत सिंह परमार व उनकी टीम जिसमें सहायक उप निरीक्षक शिव शंकर सिंह राजपूत, रामकृष्ण बघेल, आरक्षक रसीद कुमार पुशाम,आरक्षक रतिराम बंजारा, आरक्षक दयाशंकर तांडे आरक्षक आनंद गौतम,महिला आरक्षक पूजा बैरागी शामिल रहे।

योगिता चौरसिया प्रेमाश्री को मिला हिंदी आइडल सम्मान

मंडला, देशबन्धु। मंडला जिले की प्रसिद्ध कवियित्री, योगिता चैरसिया प्रेमा श्री को नेपाल के लुंबिनी में आयोजित किए गए एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यक्रम देवनागरी लिपि के सरंक्षण, नेपाल भारत मैत्री सम्बंध मजबूत बनाने, हिंदी भाषा साहित्य के विकास तथा साहित्यिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा आयोजित की गई अंतरराष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक आआइडल अंतर्राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में हिंदी आइडल मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया है।

योगिता चैरसिया प्रेमाश्री प्रदेश की ख्याति प्राप्त छंद साधिका लेखिका हैं। जिनकी सत प्रकाशित कृति दोहा कलश व छंद कलश को साहित्य जगत में सराहा गया है। छंद कलश को अंतरराष्ट्रीय कादम्बनी सम्मान व दोहा कलश को कबीर सम्मान से सम्मानित किया गया है। इनकी सैकड़ों रचनाएँ विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं साथ ही शिक्षा तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 350 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी मिल चुके हैं। शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा आयोजित वैश्विक हिंदी अंतर्राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में 982 रचनाकारों ने अपनी कविता के माध्यम से सहभागिता जताई थी जिसमें से उत्कृष्ट 120 रचनाकारों को काव्य लेखन में उत्कृष्ट रचनाकार घोषित कर हिंदी आइडल मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो कि शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल अपने साहित्यिक गतिविधियों की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुकी है। संस्था विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाइन तथा ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित करती आई है। सम्मान कार्यक्रम के सम्बन्ध में बोलते हुए संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु लेखन की इनमें एक अदभुत क्षमता देखी गई, श्रेष्ठ सृजनात्मकता हर शब्द में झलकता है।

चार फरवरी को मिलेगा विश्व प्रतिभा अंतरराष्ट्रीय सम्मान -2025 शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल के आयोजन इतने अधिक लोकप्रिय होते हैं कि हरेक कार्यक्रमों में सहभागी होने वालों की संख्या हजारों में होती है।

जिले में गो प्रेन्योरशिप को दिया जाएगा बढ़ावा

मंडला, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा गुड़ी पड़वा 9 अप्रैल 2024 से 29 मार्च 2025 तक गौवंश रक्षा वर्ष मनाने के साथ ही गौवंश और गौरक्षा से संबंधित घोषणाएं की गईं हैं। जिसके तहत वर्ष 2024-25 को गौ रक्षा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। गौ रक्षा वर्ष में जिले में गो आधारित कृषि और गोसंवर्धन को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक उद्यमी और कार्यकर्ताओं ने पहल की है। इसी कड़ी में गोआधारित कृषि और गोसंवर्धन के विभिन्न आयामों को जानने के लिए एक अध्ययन दल विगत दिवस गो-विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार प्रवास पर गया। अध्ययन दल ने गौ शाला प्रबंधन, गौआधारित कृषि और पंचगव्य उत्पादों की जानकारी प्राप्त की। गो-विज्ञान केन्द्र में देशी नस्ल के गायों का संरक्षण कार्य किया जा रहा है। यहां पुंगनूर गाय का भी संरक्षण किया जा रहा है। अध्ययन दल में गजेन्द्र गुप्ता, सौरभ चटर्जी, रेनु कछवाहा और राजा शुक्ला शामिल रहे। अध्ययन दल गो-विज्ञान केन्द्र में आयोजित गोपाष्टमी कार्यक्रम में भी शामिल हुआ। गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि गौवंश रक्षा वर्ष में जिले में गोप्रेनयोरशिप को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जा रहा है। गोप्रेननयोरशिप में पंचगव्य उत्पादों के निमार्ण एवं विपणन तथा गौआधारित कृषि और गोसंवर्धन के लिए वर्ष भर विशेष प्रयास किया जाएगा।

मानसिक प्रताड़ना और झूठी शिकायत से परेशान सचिव

नारायणगंज, देशबन्धु। मझगांव सचिव मानसिक रूप से प्रताडित और झूठी शिकायत से परेशान है। जिसकी शिकायत लेकर ग्राम मझगांव के सचिव वीरेंद्र सिंह बर्मन मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे। यहां मंडला कलेक्टर को अपनी परेशानी बताई और समस्या का निराकरण करने की मांग की। मझगांव गांव सचिव वीरेन्द्र ने बताया कि ग्राम पंचायत कूम्हा सरपंच द्वारा मुझे कूम्हा के अतिरिक्त प्रभार के लिए जनपद पंचायत नारायणगंज में आवेदन दिया था, लेकिन ऑपरेटर नोखे लाल द्वारा कहां जा रहा है कि सीईओ साहब को डेढ़ लाख रूपए और मुझे पांच हजार रूपए कूम्हा प्रभार के लिए दे दो। मुफ्त में प्रभार नहीं मिलता है। सचिव वीरेन्द्र का कहना है कि नारायणगंज सीईओ को रिश्वत ना देने के कारण मुझे मानसिक रूप से प्रताडित किया गया है। इन्हें दिसंबर 2023 एवं जनवरी 2024 का मानदेय नहीं दिया गया था। जिसके कारण सचिव के परिवार को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। सचिव ने बताया कि झूठी शिकायत और मानसिक रूप से प्रताडित करने के कारण उनकी बेटी का कक्षा 12 वीं में परीक्षा परिणाम भी संतोषजनक नहीं आया।